[This question paper contains 02 printed pages.]

Examination	**:**	**M.A.(Sanskrit), December-2024**
Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302306**
Title of the Paper	**:**	**अशोकक़ालीन अभिलेख (Edicts of Ashokan Period)**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** गद्यांशो की व्याख्या कीजिए- **04x06=24**
Explain any **four** passages of the following:

(क) देवानं पियो प्रियदसि राजा यसो व कीति व न महाथावहा मञते अञत तदात्पनो दिघाय च मे जनो धम्मसुस्रसा सुस्रुसता धंमवुतं च अनुविधियतां एतकाय देवानं पियो पियदसि राजा यसो व किति व इछति।

(ख) दुवाडस वस अभिसितेन मे धंमलिपि लिखापिता लोकसा हितसुखाये से तं अपहटा तं तं धमंवडि पापो वा हेवं लोकसा हितसुखे ति पटिवेखामि अथ इयं नातिसु हेवं पतियासंनेसु हेवं अपकठेसु किमं कानि सुखं अवहामी ति तथ च विदाहामि हे मे वा सवनिकायेसु पटिवेखामि सव पासंडा पि मे पूजिता विविधाय पूजया।

(ग) देवानं पिये पियदसि राजा सवपासंडानि च पवजितानि घरस्तानि च पूजयति दानेन च विविधाय च पूजाय पूजयति ने न तु तथा दानं व पूजा व देवानं पियो मंञते यथा किति सारवढी अस सवपासंडानं सारवढी तु बहुविधा तस तु इदं मूलं।

(घ) लाजा हेवं आहा यानि हि कानिचि मंमिया साधवानि कटानि तं लोके अनूपटीपंने तं च अनुविधियंति तेन वढिता च वढिसंति च मातापिति सु सुसुसाया गुलुसु सुसुसाया वयो महालकानंअनुपटीपतिया बाभनसमनेसु कपनवलाकेसु आव दासभटकेसु संपटीपतिया।

(ङ) पुलिसा पि च मे उकसा चा गेवया चा महिमा चा अनुविधीयंति संपटिपादयंति चा अलं च पलं समादपयितवे। हेमेमा अंत महामाता पि एस हि विधि या इयं धंमेन पालना धंमेन विधाने धंमेन सुखियना धंमेन गोती ति।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का भावार्थ **संस्कृत** में लिखिए- **02x3.5=07**

Write the gist of any **two** of the following in **Sanskrit**:

(क) नास्ति हि कमतरं सर्वलोकहित्पा य च किंचि पराक्रमामि अहं किंति भूतानं आनंणं गछेयं इध च नानि सुखापयामि परत्र च स्वगं आराधयंतु त एताय अथाय अयं धंमलिपी लेखापिता किंति चिरं तिष्टेयं।

(ख) दुपद चतुपदेसु पखिवालिचलेसु विविधे मे अनुगहे कटे आपान दाखिनाये अनानि पि च मे बहूनि कयानानि कटानि एताये मे अठाये इयं धंमलिपि लिखापिता हेवं अनुपटिपजंतु चिलं-थितिका च होतू ती ति ये च हव संपटिपजीसति से सुकटं कछती ति।

(ग) राजानो सर्वत देवानंप्रियस प्रियदसिनो राजो द्वे चिकीछा कता मनुसचिकीछा च पसुचिकीछा च ओसुढानि च यानि मनुसोपगानि च पसोपगानि च यत यत नास्ति सर्वत हारापितानि च रोपापितानि च मूलानि च फलानि च।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **08x02=16**

Answer any **two** of the following:

(क) अशोक के शासनकाल में 'धर्ममहामात्रों' का क्या योगदान रहा है? विस्तार से वर्णन कीजिए।

What was the role of 'Dharmamahamatras' during Ashokan rule? Explain in detail.

(ख) अशोककालीन शासनव्यवस्था का निरूपण कीजिए।

Describe the administrative system of king Ashoka.

(ग) अशोक द्वारा बौद्ध धर्म स्वीकार करने से पूर्व समाज की क्या स्थिति थी तथा उन्होंने उसमें क्या सुधार किये, वर्णन कीजिए।

Describe the condition of society before acceptance of 'Bauddha Dharma' by Ashoka and what improvements in it were made by him.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए- **04x02=08**

Write short notes on any **two** of the following:

राजुके, पितरि सुसुसा ,प्रियदसि राजा, पासंड, समाज

5. संलग्न प्रति को **देवनागरी** अथवा **रोमन** लिपि में रूपान्तरित कीजिए। **15**

Transcribe into **Devanagari** or **Roman** Script from the enclosed copy.